वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 283 | बुधवार 8 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

25 फरवरी से 1 मार्च तक होगी शिक्षक भर्ती परीक्षा

9 पारियों में 9 लाख 64 हजार 965 अभ्यर्थी भाग्य आजमाएंगे

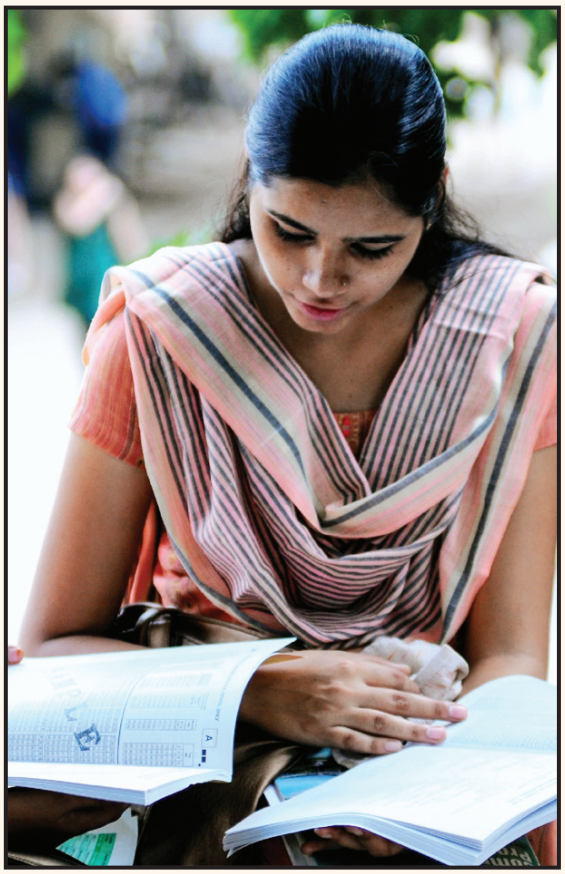

जयपुर. कासं

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने 48,000 पदों पर होने जा रही शिक्षक भर्ती परीक्षा का टाइम टेबल जारी कर दिया है। 25 फरवरी से 1 मार्च तक पांच दिन 9 पारियों में भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। जिसके लिए 9 लाख 64 हजार 965 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। बोर्ड द्वारा अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड 19 फरवरी तक जारी कर दिए जाएंगे। जिसे दिखाकर अभ्यर्थी भर्ती परीक्षा से 1 दिन पहले और 1 दिन बाद तक रोडवेज बसों में फ्री में सफर कर सकेंगे।

9 लाख से ज्यादा कैंडिडेट्स होंगे मुख्य परीक्षा में शामिल

23-24 जुलाई को हुई रीट-2022 के पास अभ्यर्थी शिक्षक भर्ती परीक्षा में आवेदन कर सकेंगे। ऐसे में शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 के लिए कुल 9,64,965 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इसमें लेवल-1 में कुल 2,12,259 और लेवल-2 में कुल 7,52,706 अभ्यर्थी भाग्य आजमाएंगे। इन अभ्यर्थियों में विशेष शिक्षा के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या 16,418 है। लेवल -1 और लेवल-2 में सर्वाधिक आवेदन ओबीसी केटेगरी में है। सबसे कम एमबीसी में है। लेवल-2 में सर्वाधिक 3.30 लाख आवेदन ओबीसी और सबसे कम 28,566 आवेदन एमबीसी केटेगरी के हैं। इसी तरह से लेवल-1 में भी सबसे अधिक 77,770 आवेदन ओबीसी के ही है। जबकि सबसे कम 12,350 एमबीसी केटेगरी में है। इस भर्ती के लिए 25 फरवरी से 1 मार्च तक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इस भर्ती में लेवल-1 में 21 हजार और लेवल-2 में 27 हजार पद हैं।

विशेष शिक्षा में आए आवेदन

विशेष शिक्षा में कुल 16,418 आवेदन जमा हुए हैं। अध्यापक भर्ती लेवल-1 में 12,129, लेवल 2 में अंग्रेजी में 288, हिंदी में 823, पंजाबी में 41, संस्कृत में 194, विज्ञान-गणित में 1,336, सामाजिक अध्ययन में 1,584 और उर्दू में 23 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। सिंधी विषय के लिए एक भी अभ्यर्थी ने आवेदन नहीं किया। लेवल 1 में केटेगरीवाइज इस प्रकार है आवेदन इस भर्ती में लेवल-1 में कुल 2,12,259 आवेदन आए हैं। इसमें सामान्य के 42,737, ईडब्ल्यूएस के 22,863, एमबीसी के 12,350, ओबीसी के 77,770, एससी के 27,544, एसटी के 28,896 और सहरिया के 99 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। लेवल 2 में केटेगरीवाइज इस प्रकार है आवेदन इस भर्ती में लेवल-2 के सभी विषयों के लिए कुल मिलाकर 7,52,706 आवेदन जमा हुए हैं। इनमें सामान्य के 63,514, ईडब्ल्यूएस के 88,216, एमबीसी के 28,566, ओबीसी के 3,30,418, एससी के 1,12,331, एसटी के 1,29,423 और सहरिया के 238 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

चित्तौड़गढ़ सांसद ने राष्ट्रपति को शबरी, मोदी को राम बताया

बोले- मुर्मू ने संसद में एंट्री की तो लगा शबरी के स्वागत में श्रीराम खड़े हैं

जयपुर. कासं

संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस के दौरान चित्तौड़गढ़ से बीजेपी सांसद सीपी जोशी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को शबरी और पीएम नरेंद्र मोदी को राम बता दिया। पीएम के कामकाज की तारीफ करते हुए जोशी ने ये बात कही। संसद में जोशी के बोलते ही सांसदों में कानाफूसी शुरू हो गई थी। अब इस तुलना पर सियासी विवाद की संभावना है। सीपी जोशी ने कहा- देश के प्रधानमंत्री अपने आपको शासक नहीं प्रधान सेवक मानकर गर्व करते हैं। एक नरेंद्र वह थे, जिन्होंने कहा था लक्ष्य की पूर्ति तक मत रुको। एक नरेंद्र ये हैं जो चलते रहो के सिद्धांत को अपनाकर देशसेवा के लिए निकल पड़े हैं। गरीब को गणेश मानकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा- त्रेता युग में माता शबरी श्री राम का स्वागत करने के लिए आतुर थीं। आज हम लोग संयुक्त सत्र की बात करें। राष्ट्रपति आज जब संसद में प्रवेश कर रही थीं, तब ऐसा लग रहा था कि उस समय त्रेतायुग में शबरी श्रीराम का स्वागत कर रही थीं। अभी ऐसा लग रहा था, जैसे श्रीराम शबरी का स्वागत करने के लिए, उनका अभिनंदन करने के लिए संसद के द्वार पर खड़े हैं। उनके स्वागत के लिए, उनके अभिनंदन के लिए। सांसद ने कहा- प्रधानमंत्री देश को आगे बढ़ाने के लिए दूरदर्शिता से काम कर रहे हैं। उनके विजन से देश आगे बढ़ रहा है। पीएम अपने विजन से देश को विकसित बनाने और प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए काम कर रहे हैं। आज हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जी-20 देशों की अगुवाई हम कर रहे हैं। जी-20 देश सकल घरेलू उत्पाद का 85% भागीदारी रखता है, जो वैश्विक व्यापार में 75% हिस्सेदारी रखता है, जो दुनिया की दो-तिहाई आबादी का नेतृत्व करते हैं। ऐसे देशों की अध्यक्षता करने का अवसर भारत को मिला, इससे विदेशों में भारत की छवि मजबूत हुई है।

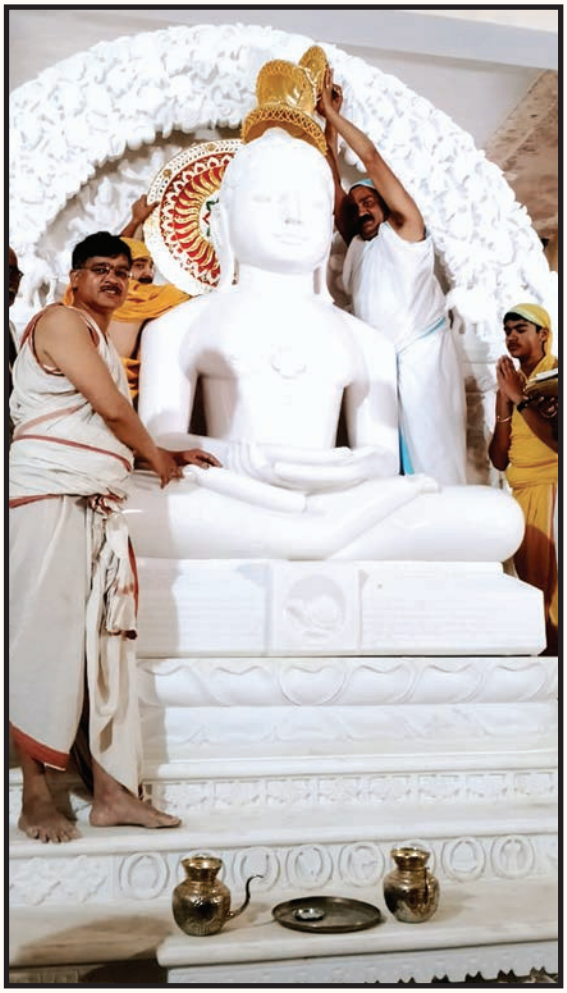

स्वयं की शक्ति से खड़े होने वाले साधक होते हैं

जो साधक साधना से स्वयं शक्तिशाली होकर उठ खड़े हो जाते हैं उनको किसी की आवश्यकता नही होती है वहीं आराधना करने वालो को स्वयं कुछ नहीं करना पड़ता उनकी देव आकर सहयोग करते हैं द्रव्य का नाम ही वस्तु नही,पर्याय का नाम ही वस्तु नही गुण का नाम ही वस्तु नही,तीनों मिलने के बाद जो बनती है वह वस्तु कहलाती हैं।तीनों मिलने के बाद जो मिलती है परीवार कहलाता है वह आनंद हैं।तीनों हमे वस्तु नही चाहिये धर्म चाहिए वस्तु के धर्म में आनंद है।हमें काल क्या उपलब्ध करा हमे दाल और चावल अलग अलग है उनसे मिलकर जो बनता है वह खिचडी कहलाती है। डॉ. भी खिचड़ी को सुपाच्य के लिए कहती हैं। लेकिन कभी दाल और चावल को अलग-अलग मिलाकर खाओगे उसमें उतना आनंद नहीं जितना खिचडी में आनंद हैं।

मुनि पुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा...

उपासना और आराधना के मंत्र अलग-अलग

त्रिकाल चौबीस व नन्दीश्वर जिनालय में भगवान हुए विराजित

प्रथम महा मस्तिकाभिषेक पर उमड़ा जनसैलाब

ललितपुर. शाबाश इंडिया

कुछ मंत्र इतने गरिष्ठ होते हैं कि आप संभाल नहीं सकते थे। इसलिए इन मंत्रों में असिआउशा लगा कर इसके पावर को कम किया गया है। वास्तविक मंत्रों में आराधना नहीं होती साधना होती है। उपासना मंत्र से आप स्वयं के लिए रोटी नहीं बना सकते । णमोकार मंत्र को जाप करने पर कोई ना कोई आपको गाड़ी लेकर आ जाएगा। उपासना मंत्र होता तो देवता प्रकट हो जाएगा। उपासना मंत्र में नमः लगा रहता है वे पुण्य का वंध कराते हैं । मंत्र साधना करने वाले को एक सौ आठ नम्बर की गाड़ी नहीं आयेगी ऐसी शक्ति जागेगी की आप उठकर खड़े हो जाओगे उक्त आश्य केउद्गार अभिनन्दनोदयतीर्थ ललितपुर में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

पुण्यार्यजक परिवारो ने किया प्रथम महा मस्तिकाभिषेक

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजयधुर्रा इस दौरान कहाकि शाही पंचकल्याणक महोत्सव के प्रभु सिंहासन पर विराजमान हो रहें हैं आज परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज, मुनिश्री पूज्य सागरजी महाराज, ऐलक श्री धैर्य सागरजी, क्षुल्लकश्री गंभीरसागर जी महाराज ससंघ एवं प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भइया के निर्देशन

में भगवान के सिंहासन पर विराजमान के साथ प्रथम महा मस्तिकाभिषेक होने जा रहा है। इसके साथ ही त्रिकाल चौबीस सहस्त्र कूट नंदीश्वर दीप गुफा मन्दिर में स्थित सभी जिन प्रतीमाओ का अभिषेक मुनिश्री के श्री मुख से उच्चारित हुआ।मुलनायक श्री अभिनन्दन नाथ स्वामी का प्रथम महा मस्तिष्कभिषेक शिखरचन्द्र सराफा, प्रभात कुमार अंकित कुमार सराफ विनोद कुमार मुकेश कुमार कामरा अरविंद अंकित सराफा सहित सभी पुण्यार्जक परिवार द्वारा किया गया। मुनिश्री ने कहा कि-स्वर्ग को समझते तो आनंद आता है नरकों को देखते है अच्छा नही लगता है।मनुष्य और त्रियंच को कभी आनंद आता है कभी निराशा होती है।भक्तामरजी के 47 वे श्लोक में सब संकट दूर करने की बात आई है इसको खिचड़ी की संज्ञा दि',भक्तामर पड़ते रहोगे तो आग नही लगेगी भक्तामर नही आता तो आग से नहीं बचोगें आराधना से भक्ति प्रकट होती है।

जेएसजी वीनस द्वारा दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप वीनस द्वारा दो दिवसीय मीट विथ टाईगर(रणथंबोर जंगल सफारी एवम नाइट स्टे इन रिसॉर्ट) कार्यक्रम आयोजित किया गया।शैलेंद्र शाह संस्थापक अध्यक्ष, रविंद्र - रचना बिलाला पूर्व अध्यक्ष ने बताया कि महावीर नगर जैन मंदिर से रवाना होकर 90 सदस्यों ने दो बसों द्वारा टोंक होते हुए रणथंबोर स्थित सिद्धि विनायक रिसोर्ट पहुंचे और दोपहर में 2:00 बजे केंटरो द्वारा जंगल भ्रमण का कार्यक्रम हुआ जिसमें टाईगर को देखने का मौका मिला। इससे सभी दंपति सदस्यों को आनंद की अनुभूति हुई।उसके बाद होटल पहुंचकर सभी सदस्यों ने रात्रि को पूर्व

रीजन चेयरमैन व वीनस ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र मीनू गिरधरवाल की शादी की 24 वी वर्षगांठ मनाई । तत्पश्चात सभी लोगों ने डीजे पर डांस धमाल कार्यक्रम का आनंद उठाया और रिसॉर्ट में नाइट स्टे किया। अगले दिन सुबह सभी सदस्यों ने चमत्कार जी अतिशय क्षेत्र मन्दिर जी व नेमिनाथ जी की नसिया सवाईमाधोपुर में सामूहिक पूजापाठ एवम दर्शन किये। नितिन-निशा पांड्या अध्यक्ष, मनीष-चीनू लुहाडिया सचिव ने बताया कि दोपहर के भोजन करने के पश्चात सभी दंपत्ति सदस्य बसों में बैठकर जहाजपुर के लिए रवाना हुए। जहाजपुर पहुंचकर सभी ने भक्तामर स्तोत्र के पाठ का किया और महा आरती का लाभ उठाया उसके बाद वापस जयपुर के लिए रवाना हुए। सभी दंपत्ति सदस्य महावीर नगर जैन मंदिर पहुंचे इस कार्यक्रम के लिए सभी ने मुख्य संजोयक नितिन-निशा पांड्या, संयोजक राजीव-विनीता जैन, सह संयोजक मुकेश- बेला लुहाड़िया, संजीव-सीमा जैन का आभार प्रकट किया ।

पारिवारिक न्यायालय शीघ्र बनेगा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कुलदीप रांका ने दिया आश्वासन

जयपुर. शाबाश इंडिया

पारिवारिक न्यायालय के संरक्षक एडवोकेट पूनमचंद भंडारी और अध्यक्ष डी एस शेखावत ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया था कि गांधीनगर मोड पर पारिवारिक न्यायालय को आवंटित भूमि पर शीघ्र ही भवन निर्माण कराया जाए और उस संबंध में राजस्थान हाईकोर्ट की बिल्डिंग कमेटी से पारिवारिक न्यायालय के भवन निर्माण के लिए नक्शे स्वीकृत करवा कर भिजवा दिए गए हैं। ज्ञापन में यह भी कहा गया था कि वर्तमान में पारिवारिक न्यायालय में पांच जज है और दो जजों के बैठने की व्यवस्था नहीं है इसलिए पारिवारिक न्यायालय को आवंटित भूमि पर पूर्ण में बने हुए कमरों को सुधरवाकर वहां दो न्यायालय बना दिए जाए अथवा महिला आयोग से प्रथम मंजिल पर बने हुए तीन कमरे दिलवा दिए जाएं इस संबंध में जिला नयायाधीश श्रीमती नंदिनी व्यास ने भी पारिवारिक न्यायालय व महिला आयोग का निरीक्षण किया था। आज मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव कुलदीप रांका से आधा घंटे इस विषय पर विस्तृत चर्चा हुई और उन्होंने उसी समय विधि सचिव को फोन पर वार्ता करके निर्देश दिए कि गांधीनगर मोड पर पारिवारिक न्यायालय को आवंटित जमीन व उस पर निर्मित कमरों का निरीक्षण कर उनको मरम्मत करवाकर सुसज्जित न्यायालय कक्ष बनाए जाएं तथा नवीन भवन निर्माण के लिए भी बजट की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया और कहा कि मुख्यमंत्री भी चाहते हैं कि शीघ्र ही आधुनिक पारिवारिक न्यायालय भवन का निर्माण हो ताकि पक्षकारों को अच्छा वातावरण मिल सके।

जफायर इंटर कॉलेज मैनेजमेंट फेस्ट 10 फरवरी से

जयपुर. शाबाश इंडिया

आईपीएस बिजनेस स्कूल और आईपीएस ग्रुप ऑफ कॉलेज की ओर से जफायर इंटर कॉलेज मैनेजमेंट फेस्ट का आयोजन 10 फरवरी से 12 फरवरी 2023 तक आईपीएस कॉलेज निर्माण नगर कैंपस में आयोजित किया गया है। ग्रुप्स के डायरेक्टर सुधीर अग्रवाल और दीप्ति अग्रवाल ने बताया कि इस वार्षिक उत्सव में जयपुर सहित भारत के अन्य स्थानों से आमंत्रित 100 से अधिक टीमें भाग ले रही है। जफायर कार्यक्रम 2008 से आयोजित किया जा रहा है इसमें विद्यार्थी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते आ रहे हैं इस प्रतियोगिता में सभी प्रतियोगियों को 2000 का गुड़ी बैंक दिया जाएगा ' कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के प्रबंधन खेल, आईटी संबंधित खेल, नृत्य, संगीत, गायन, मेगा शो व अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी ' उन्होंने बताया कि जफायर बहुत ही शिक्षाप्रद और प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित होगा ' इसमें भारत के विभिन्न अंचलों की संस्कृति रीति-रिवाजों को दर्शाते हुए कंपटीशन होंगे जो कि विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक होगा।

पत्रकार हित की आवाज उठाने के लिए जार ने शुरू किया प्रदेशव्यापी अभियान

उदयपुर ग्रामीण विधायक मीणा को सौंपा ज्ञापन

उदयपुर. शाबाश इंडिया। जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) की उदयपुर इकाई ने जार प्रदेश अध्यक्ष सुभाष शर्मा के नेतृत्व में उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा को पत्रकारों की आवाज बनने में सहयोग के लिए आग्रह पत्र सौंपा। उन्हें बताया गया कि आगामी बजट सत्र को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सभी संगठनों, समाज व संस्थाओं से सुझाव ले रहे हैं। जार द्वारा पत्रकार हितों की घोषणाओं को लागू करने के लिए मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, वित्त सचिव, डीआईपीआर सचिव व निदेशक को ज्ञापन प्रेषित किए गए हैं। पत्रों में सभी से आग्रह किया गया है कि वे मुख्यमंत्री को पत्रकार कल्याण की घोषणाओं की तरफ ध्यान दिलाएं और इन्हें पूरी करने के लिए सहयोग प्रदान करें। उदयपुर ग्रामीण विधायक मीणा ने पत्रकार हितों की आवाज उठाने में सहयोग का आश्वासन प्रदान किया। प्रतिनिधिमण्डल में जार के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष कौशल मूंदड़ा, जार उदयपुर के जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा राजदीप, जिला महासचिव दिनेश भट्ट, जिला सह कोषाध्यक्ष दिनेश हाड़ा आदि शामिल थे।

लायन्स क्लब का देश व्यापी अभियान

एक माह में 200 टन ई वेस्ट एकत्र करने का उठाया बीड़ा

उदयपुर. शाबाश इंडिया

देश को पर्यावरण प्रदूषण से मुक्त बनाने के लिये प्रधान मंत्री मोदी की अपील को अमली जामा पहनाने के प्रयोजन से लायन्स क्लब इंटरनेशनल एक माह तक ई-वेस्ट निस्तारण अभियान चला रहा है। लायन्स क्लब इन्टरनेशनल के निदेशक लायन डॉ.वी.के.लाडिया ने मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि इस मुहिम के तहत 13 जनवरी से 13 फरवरी 2023 तक देश के सभी लायन्स डिस्ट्रिक्ट के सहयोग से ई-अपशिष्ट जागरूकता और संग्रह अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें पूरे देश से 200 टन ई-वेस्ट संग्रह का लक्ष्य तय किया है।

वेद ज्ञान

नियमों को समझें, बंधे नहीं...

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि अगर व्यक्ति अपने उद्देश्य के अनुसार मार्ग चुन ले और दूसरों के रास्ते में न आए तो टकराव की आशंका खत्म हो जाएगी। यह संदेश हमारी सामाजिक संरचना की उसी व्यवस्था को इंगित करता है जिसमें अधिकांश माता-पिता अपने बच्चों को प्रेरित करते हैं। भले ही वह नियम आदमी और उद्देश्य के अनुसार घिसा-पिटा हो गया हो। नियम इसलिए होते हैं कि अनुशासन बनाते हुए हम अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर सकें, पर जब नियमों का अनुसरण करना ही लक्ष्य बन जाए तो निर्दिष्ट लक्ष्य तक पहुंचना कठिन हो जाता है। हरेक समाज में कुछ ऐसे नियम होते हैं जिनका पालन एक सुगठित समाज के लिए आवश्यक है। धार्मिक अनुष्ठान, कानून-व्यवस्था, सामाजिक बंधन आदि के पीछे कुछ लक्ष्य होते हैं जिनका उल्लंघन अपराध माना जाता है। नियम जब रूढ़िवादिता में बदल जाएं तब उसे मिटा देना ही श्रेयस्कर है। कोई नहीं जानता, पर पीढ़ी दर पीढ़ी हम ऐसे नियमों का निर्वहन करते आ रहे हैं। नियमों में लचीलापन होना चाहिए जिसे सुगमता से बदला जा सके। स्कूलों में लक्ष्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना होता है, लेकिन बच्चों को इन सभी में से अपनी पसंद के विषय का चयन करना होता है। ये सभी विषय उन पर जबरन नहीं लादे जाते। स्वाभाविक है कि जो साधन व्यक्ति विशेष को आसानी से उनके लक्ष्य तक पहुंचा दे वही साधन मान्य है। यह शाश्वत सच है कि प्रकृति के नियमों और जीवन के नियमों पर हमारा वश नहीं है। सामयिक नियमों में ही बदलाव संभव है, क्योंकि ये मानवकृत हैं। एक ही नियम से सभी तरह के उद्देश्य पूर्ण करना असंभव है। उद्देश्य बदलने के साथ नियम बदल जाने चाहिएं, पर होता यह है कि एक ही नियम से अनेक उद्देश्यों की पूर्ति लोग करना चाहते हैं। दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने जीवन को लचीला बनाने वाले तत्वों पर बल देते हुए कहा है कि जो लोग समय और परिस्थिति के अनुसार अपने को ढालते हैं वे सबसे सुखी लोग हैं। असल में महानता हमारी सोच में है, यह हमारे अंतर्मन में बसती है। नियम कभी उद्देश्य नहीं बन सकता है।

संपादकीय

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद राजनीतिक बवाल

जब से अडाणी समूह को लेकर हिंडनबर्ग का सर्वेक्षण आया है, विपक्ष के निशाने पर सरकार आ गई है। विपक्षी दलों की मांग है कि इस मामले में सरकार जवाब दे। इस हंगामे के चलते संसद का बजट सत्र बार-बार स्थगित करना पड़ा। कामकाज बाधित रहे। हालांकि अडाणी समूह इस मामले में लगातार सफाई देने और अपनी स्थिति सुधारने में जुटा हुआ है, मगर शेयर बाजार में उसकी कंपनियों के शेयर लगातार नीचे की तरफ रुख किए हुए हैं। दुनिया के तीसरे नंबर के सबसे अमीर उद्यमी के पायदान से खिसक कर अडाणी शीर्ष बीस की सूची से भी नीचे चले गए हैं। ऐसे में भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर तरह-तरह की चिंताएं जताई जाने लगी हैं। सबसे अधिक भ्रम आम निवेशकों में फैला हुआ है, जिन्होंने विभिन्न सरकारी संस्थानों में पैसे निवेश किए हैं। इसलिए कि अडाणी की कंपनियों में सबसे अधिक पैसा सरकारी बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम जैसे संस्थानों का लगा हुआ है। हिंडनबर्ग का

कहना है कि अडाणी समूह ने धोखाधड़ी करके अपनी कंपनियों के लिए सरकारी बैंकों से कर्ज लिया है और उनके शेयरों की कीमतें गलत ढंग से बढ़ा-चढ़ा कर पेश की गई हैं, जबकि वास्तव में उनका मूल्य काफी कम है। विपक्ष इसलिए सरकार पर हमलावर है कि उसका कहना है कि सरकार की सहमति से ही अडाणी समूह की कंपनियों को कर्ज दिए गए हैं। फिर यह कि जिन बैंकों ने कर्ज दिया, उन्होंने अडाणी समूह की कंपनियों की वास्तविक हैसियत का मूल्यांकन किए बिना आंख मूंद कर इतनी भारी रकम कैसे उनमें लगा दी। जीवन बीमा निगम ने भी किस आधार पर इतने बड़े पैमाने पर उसके शेयर खरीद लिए। फिर सवाल यह भी उठ रहा है कि प्रतिभूति बाजार में हुई गड़बड़ियों पर नजर रखने की जिम्मेदारी सेबी की है, वह कैसे और क्यों अपनी आंखें बंद किए बैठा रहा। अब भी जब अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखी जा रही है, वह चुप्पी क्यों साधे हुए है। रिजर्व बैंक ने जरूर उन बैंकों से स्थिति रपट मांगी है, जिन्होंने अडाणी समूह की कंपनियों को कर्ज दिया है। मगर बहुत सारे लोगों को इस कार्रवाई पर भरोसा इसलिए नहीं हो रहा कि सरकार ने भी अभी तक चुप्पी साध रखी है। हालांकि शेयर बाजार में उथल-पुथल का असर कंपनियों की पूंजी और साख पर पड़ता है और इस बाजार के सटोरिए ऐसा खेल करते रहते हैं। मगर अडाणी समूह के शेयरों की गिरती कीमतों का मामला केवल इतना भर नहीं है। इसमें सरकार पर भी अंगुलियां उठ रही हैं कि उसी की सहमति से बैंकों ने नियम-कायदों को ताक पर रखकर कर्ज दिया। अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों की कीमतें गिरने से उन निवेशकों की धड़कनें बढ़ गई हैं, जिन्होंने इनमें काफी पूंजी लगा रखी है। उन्हें चिंता है कि उनकी पूंजी कभी लौट भी पाएगी या नहीं। हालांकि अडाणी खुद निवेशकों को भरोसा दिला रहे हैं कि उनकी साख कमजोर नहीं हुई है और उनके खिलाफ साजिश रची गई है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

दुखी मजदूर!

अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर पंजीकृत कारखानों में यह तस्वीर है तो असंगठित क्षेत्र में क्या हालत होगी, जहां किसी तरह के नियम-कायदे का पालन करना जरूरी नहीं समझा जाता। इस तरह के मामलों में पीड़ित तबका आमतौर पर बेहद गरीब और उपेक्षित होता है, इसलिए उनकी पीड़ा और अधिकारों की अनदेखी भी आम है। मगर अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कारखानों में होने वाली दुर्घटनाओं की वजह से मजदूरों की मौतों के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लिया है। दरअसल, हाल ही में केंद्रीय श्रम मंत्रालय के एक संस्थान से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर एक लेख में बताया गया कि 2018 से 2020 के दौरान औद्योगिक इकाइयों में होने वाले हादसों में कम से कम तीन हजार तीन सौ इकतीस लोगों की मौत हो गई। मगर अफसोसनाक यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं के लिए महज चौदह लोगों को सजा हो पाई। इसी मसले पर मानवाधिकार आयोग ने खुद संज्ञान लेते हुए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और श्रम सचिवों को नोटिस जारी किया है और उनसे कारखानों में होने वाली दुर्घटनाओं में मजदूरों की मौतों का ब्योरा उपलब्ध कराने को कहा है। आयोग ने यह भी माना है कि देश में पंजीकृत कारखाने काफी कम हैं। इसके समांतर जो कारखाने पंजीकृत नहीं हैं, उनमें हुए हादसों और मजदूरों के हताहत होने का श्रम विभाग के पास कोई ब्योरा नहीं होता है। बल्कि पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों में जितनी दुर्घटनाएं होती हैं, उनमें भी जानमाल की क्षति को कितने वास्तविक रूप में दर्ज किया जाता है, यह कहा नहीं जा सकता। ऐसे में यह समझना मुश्किल नहीं है कि हाशिये के तबके के रूप में पहले ही कई तरह की वंचनाओं और अधिकारों के हनन के शिकार मजदूरों को किस त्रासदी से गुजरना पड़ता होगा। कहने को सरकार ने मजदूरों की सुरक्षा और सेहत को लेकर नई संहिता बना दी है। लेकिन जमीनी स्तर पर आज भी इससे संबंधित प्रावधानों को अमल में नहीं लाया जा सका है। जबकि अक्सर ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जिनमें सरकारें किसी नियम को लागू करने को लेकर बेहद संवेदनशील होती हैं और इसका उल्लंघन करने के आरोपी खासतौर पर कमजोर तबकों के लोगों को कई बार सख्त सजा भुगतनी पड़ती है। मगर कारखानों में हुई दुर्घटनाओं और उसके लिए जिम्मेदार लोगों या मालिकों तक के प्रति या फिर पीड़ितों को मुआवजे की नीति को लेकर सरकार को यही सजगता दिखाने की जरूरत नहीं लगती। गौरतलब है कि देश में नब्बे फीसद से ज्यादा मजदूर असंगठित क्षेत्र में और दिहाड़ी पर काम करके गुजारा करते हैं, जहां न केवल उनकी मजदूरी की हकमारी होती है, बल्कि बुनियादी मानवाधिकारों का भी हनन होता है। यों कामगारों के अधिकारों और काम करते समय उनकी सुरक्षा का मसला शायद सबसे ज्यादा चर्चा का विषय रहा है। लेकिन आज भी अगर इसका कोई ठोस हल नहीं निकल सका है और अनेक मजदूर महज अव्यवस्था और लापरवाही की वजह से जान गंवा बैठते हैं तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी?

आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ का सानिध्य

आत्म निर्भर भारत बनाने की दिशा में जैन समाज का अनूठा कदम

समाज में पहली बार विदेश व्यापार पर कार्यशाला

जयपुर. शाबाश इंडिया

आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में जैन समाज द्वारा अनूठा कदम उठाया गया है। इसी कड़ी में श्रावक सेवा संस्था के तत्वावधान में दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में जैन बन्धुओं के लिए पहली बार विदेश व्यापार कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है । संवाददाताओं को संबोधित करते हुए अध्यक्ष पं.महावीर मनु जैन एवं मुख्य समन्वयक कमल बाबू जैन ने बताया कि आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में गुरुवार,9 फरवरी से रविवार,12 फरवरी तक चार दिवसीय आयात -निर्यात प्रशिक्षण शिविर का आयोजन श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में किया जाएगा। परामर्शक विनोद जैन कोटखावदा एवं समन्वयक भाग चन्द जैन ने बताया कि भारत के विदेश व्यापार को बढ़ावा देने, विदेश व्यापार, विशेष तौर पर निर्यात में वृद्धि कर,देश के व्यापार घाटे को कम करने, विदेशी आयातकों की सूची से समय समय पर सम्भावित निर्यातकों को जानकारी प्रदान करने, प्रोडक्ट की लागत के बारे में अवगत कराने ताकि नये निर्यातक इस जानकारी से अपना निर्यात व्यापार शुरू कर सके।जैन समाज की ओर से देश हित में इस तरह के कार्यक्रम का प्रथम बार आयोजन करना, जैन बन्धुओं को आयात -निर्यात सहित विदेश व्यापार के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी देने हेतु इंडियन इंस्टीट्यूट आफ फोरेन ट्रेड,भारत सरकार की टीम तथा एम डी पी डिविजन के प्रमुख डॉ राजेन्द्र प्रसाद शर्मा के निर्देशन में यह प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस

मीडिया प्रभारी वी बी जैन ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में रजिस्ट्रेशन हेतु - https//www.shravaksevasanstha.org पर रजिस्ट्रेशन करवाया जा सकता है। विस्तृत जानकारी हेतु मोबाईल नम्बर 9137417696, 9529888095 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रशिक्षण शिविर में विदेशी व्यापार से संबंधित सभी पहलुओं पर विशेषज्ञों द्वारा प्राथमिक जानकारी साझा की जाएगी। परामर्शक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर के लिए भाग चन्द जैन मित्रपुरा वाले एवं लोकेश गोरवाल को समन्वयक एवं पत्रकार वी बी जैन को मीडिया प्रभारी बनाया गया है। इस मौके पर आयोजन के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन किया गया।

'ब्रह्मोद्योग' 25 फरवरी से, पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के तत्वावधान में आगामी 25 से 28 फरवरी तक दिल्ली के अशोका होटल में 'ब्रह्मोद्योग' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन सांसद घनश्याम तिवाड़ी व सांसद सीपी जोशी ने किया। विमोचन के मौके पर अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.गोविन्द कुलकर्णी,डॉ.श्याम रघुनंदन,पूना सचिव भावेन्द्र पाठक व राजस्थान के युवा प्रदेषाध्यक्ष राजीव कश्यप भी मौजद रहे। इस आयोजन की जानकारी देते हुए युवा प्रदेशाध्यक्ष राजीव कश्यप ने बताया कि इस आयोजन में पूरे भारतवर्ष से करीब 10 स 15 हजार के आसपास समाजबंधुओं के आने की संभावना है। आयोजन में पहले दिन 25 व 26 को समाज के उद्योगपतियों कॉन्फ्रेंस,27 को एडवोकेट विंग कॉन्फ्रेंस होगी।इसीदिन तालकटोरा स्टेडियम पर ब्राह्मण सम्मेलन होगा,जिसमें करीब 25 हजार के आसपास समाजबंधु शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि आयोजन के अंतिम दिन 28 को डॉक्टर्स विंग की कॉन्फ्रेंस होगी। इन चार दिनों के दौरान समाज के उत्थान, शैक्षणिक,सामाजिक व वैश्विक विषयों पर मंथन होगा। इस आयोजन में देशभर से राजनैतिक,सामाजिक व अन्य संगठनों से जुड़े कद्दावर नेताओं के आने की संभावना है। आयोजन की तैयारियां जोरों पर चल रही है।

आचार्य सुनील सागर महाराज संघ का निवाई से पदमपुरा के लिए हुआ मंगल विहार

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर समाज के तत्वावधान में मंगलवार को आचार्य सुनील सागर महाराज एवं आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ का श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर निवाई से अतिशय क्षेत्र पदमपुरा के लिए मंगल विहार हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि आचार्य सुनील सागर एवं आचार्य शशांक सागर महाराज मंगलवार को संघ सहित निवाई से गाँव मुंडिया के लिए पद विहार हुआ। आचार्य संघ शांतिनाथ अग्रवाल जैन मंदिर से विहार कर अहिंसा सर्किल पुलिस लाईन जयपुर रोड होते हुए मुंडिया गांव पहुंचे जहाँ जैन समाज के श्रद्धालुओं ने अगुवानी की। जौंला ने बताया कि आचार्य संघ रात्रि विश्राम मुंडिया गाँव में करके सुबह विहार करके चाकसू पहुंचेंगे। सांयकाल आरती गुरुभक्ति का कार्यक्रम किया गया। सुनील भाणजा ने बताया कि आचार्य संघ बुधवार को चाकसू मे मंगल प्रवेश करेंगे। वहां से विहार करके अतिशय क्षेत्र पदमपुरा जाएंगे। विहार में जगह जगह आचार्य संघ का श्रद्धालुओं ने पाद्प्रक्षालन एवं आरती करके स्वागत सत्कार किया गया। विहार से पूर्व मंदिर प्रांगण पर आचार्य सुनील सागर आचार्य शशांक सागर एवं आर्यिका विज्ञा श्री ने धर्म सभा को सम्बोधित किया। विहार में समाज के लोग मौजूद थे।

राज्यसभा सांसद डॉ. वीरेन्द्र हैगड़े से मिले विश्वगुरु स्वामी महेश्वरानंद

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्वगुरु परमहंस स्वामी महेश्वरानंद ने कर्नाटक के धर्मस्थल में धर्मस्थल मंदिर के धर्माधिकारी व राज्यसभा सांसद डॉ. वीरेन्द्र हैगडे.से मुलाकात की और सांसद से वर्तमान परिदृष्य व धार्मिक विषयों पर चर्चा की और उन्हें जाडन, पाली में ओम आश्रम के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया।

विरागोदय महामहोत्सव मे आदिकुमार के जन्माभिषेक मे उमडा जनसैलाब

राजेश रागी/रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

पथरिया, दमोह। 'न भूतो न भविष्यति' विरागोदय महामहोत्सव के पंचकल्याणक क्रियाओं के तृतीय दिवस प्रातः माता मरुदेवी के गर्भ से जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ का जन्म बालक आदिकुमार के रूप में होने के उपरांत जन्माभिषेक की क्रियाओं व शोभायात्रा मे अपार जनसमूह ने भाग लेकर खुशियां मनाई, दिव्यघोष व जयकारों ने आकाश गुंजायमान कर दिया। विरागोदय में चल रहे पंचकल्याणक महोत्सव में हर दिन भगवान आदिनाथ के जीवन के विविध प्रसंगों का मंचन किया जा रहा है। धर्मसभा में हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं के बीच बालक आदिकुमार का जन्म हुआ। सौधर्म इंद्राणी बालक को लेकर श्रद्धालुओं के बीच पहुंचीं। यह सब कुछएक लघु नाटिका के रूप में मंच कलाकार उमेश जैन भिंड ने प्रस्तुत किया। भगवान की मनमोहक प्रतिमा को करीब पाकर कई श्रद्धालु भक्तिभाव में भावविभोर हो गये। गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज ने प्रवचनों में बताया कि प्रातः काल राजा नाभीराय के यहां माता मरूदेवी से बालक का जन्म हुआ। धनपति कुबेर के आदेश से ऐरावत हाथी पर सौधर्म इंद्र सचि इंद्राणी को बैठाकर मध्यलोक में प्रवेश करता है और गंधर्व 700 करोड़ देवों के साथ भगवान का जन्मोत्सव मनाने स्वर्ग से उतर कर ऐरावत हाथी पर आते हैं। इसी प्रसंग के साथ पथरिया स्थित विरागोदय में पंचकल्याणक स्थल पर ऐरावत हाथी पर सौधर्म इंद्र अपनी इंद्राणी के पात्र अपने इंद्र परिवार के साथ कमलाकार विशाल मुख्य मंदिर में बने पांडुक शिला का स्वर्ण एवं रजत कलशों से अभिषेक इंद्र इंद्रानियों के साथ ही हजारों भक्त श्रद्धालुओं ने भी किया। इस आवसर पर आहार का सौभाग्य विजय चंद असम वालो को प्राप्त हुआ और धर्मसभा में पूरे भारतभर से आये भक्तों ने श्री फल भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया।

आज होगी तप कल्याणक की क्रियायें

विरागोदय महामहोत्सव मीडिया समिति के राजेश रागी बकस्वाहा ने बताया कि आज बुधवार 8 फरवरी को प्रातः बालक्रीड़ा, तीर्थंकर वन लोकार्पण, वृक्षारोपण तथा दोपहर मे राज्याभिषेक, नीलांजना नृत्य, वैराग्य, गृहत्याग, दीक्षाविधि संस्कार और चक्रवर्ती की विशाल दिग्विजय शोभायात्रा निकाली जाएगी।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

जिन्दगी में कभी कोई कुछ भी कहे पर हिम्मत नहीं हारना

शाबाश इंडिया का हुआ विमोचन आचार्य श्री के सानिध्य मे

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

जो कहते हैं इसके बस का नहीं है, उनको भी करके दिखाना है..! स्वयं का जुनून और कार्य के प्रति उत्साह, हमारी सफलता का मूल मन्त्र है। इसलिए जीवन में पल पल हर मोड़ पर मन का जुनून, कार्य के प्रति उत्साह का भाव ही हमारी जीत का बीजाक्षर है। मन का उत्साह और चेतना की आवाज हमें सफल ही नहीं बनाती है बल्कि हमारे व्यक्तित्व को निखारती भी है। हमारा जुनून हमें सफल बनाने में सहयोगी बनाता है, तो कार्य के प्रति उत्साह हमारे मनोबल को बढ़ा देता है। मनुष्य की ज़िन्दगी में कोई भी चीज ऐसी नहीं होनी चाहिए जो हमारे मन और विश्वास को हतोत्साहित करे। छोटे से छोटे कार्य और बड़े से बड़े संकल्प को जुनून और उत्साह के साथ करें, फिर देखें सफलतायें आपके चरणों मै कैसे नतमस्तक होती है। यदि ये न हो तो अपने-आप को कभी छोटा और कमजोर मत महसूस करो जैसे -- (1) यदि खुद का घर ना हो तो --- (2) माता पिता गुरू पढ़े लिखे ना हो तो ---(3) पहनने को अच्छे कपड़े ना हो तो --- (4) गरीब मित्र होने पर ---(5) सरकारी या छोटे स्कूल में पढ़ रहे हो तो --- और (6) दुनिया का कोई भी छोटा कार्य या व्यापार होने पर -- अपने मन से कहो - हम हम हैं एटम बम हैं। आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के सानिध्य में ''शाबाश इंडिया'' का विमोचन किया गया। **नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

श्री महावीर कॉलेज में पर्सनेलिटी डवलपमेंट पर 15 दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन

जयपुर.शाबाश इंडिया। श्री महावीर कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारने के लिए 15 दिवसीय "Personality Development and Soft Skills Training Workshop" का आयोजन श्री महावीर कॉलेज परिसर में कर दिया गया है। इस कार्यशाला में संवाद शैली, बॉडी लेंग्वेज, तर्कशक्ति, सेल्फ इंट्रोडक्शन इंटर पर्सनल कम्यूनिकेशन, रिज्यूम मेकिंग, इंटरव्यू स्किल आदि पहलूओ पर विस्तार से प्रकाश डाला जाएगा। वर्कशॉप टेनर डा0 सोनाली एन ठोलिया ने बताया कि इस वर्कशॉप से उन सभी छात्रों को लाभ मिलेगा जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. आशीष गुप्ता ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को इस वर्कशॉप से भविष्य में जरूर लाभ मिलेगा। महावीर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, मानद मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मानव को एक सूत्र मे बांध सकता है, तो वह धर्म है...

अजमेर.शाबाश इंडिया। संतो का हुआ आध्यात्मिक मिलन श्रध्दांलूओ ने की अगवानी । पुष्कर से प्रवर्तक सुकनमुनि, युवाप्रणेता महेश मुनि ,बालयोगी अखिलेश मुनि के मंगलवार को पुष्कर से अजमेर राधा विहार मे पधारने पर विजयराज मूगदिया,शिखर चन्द सिंघवी, संजय जैन, सतोष कछवा, अशोक गांधी, ताराचंद कर्नावट, नवदीप मूगदिया, सम्पतराम कोठारी आदि अनेक श्रध्दांलूओ ने जैन मुनियों कि अगवानी करतें हुये अभिनन्दन किया। इस दौरान प्रवर्तक सुकनमुनि, उपाध्याय रमेश मुनि आदि सभी संत जनों को आध्यात्मिक मिलन के दौरान सुकनमुनि महाराज ने सभी श्रध्दांलूओ को सम्बोधित करतें हुये कहां कि एक सूत्र मे किसी को बांध सकता है तो वह धर्म और कौई नही । अनुशासन और मर्यादा मे रहकर कार्य करोगे तो राष्ट्र एवं जीवन का निर्माण कर पाओगे है । तभी मानव जीवन को सफल बना सकते हो। सुनिल चपलोत ने जानकारी देते हुये बताया कि बुधवार को प्रातः 9:00 बजे प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज शिष्य मंडल के साथ बी के कॉल नगर मणी कुंज सेवासंस्थान मे आयोजित विशेष धर्मसभा को सम्बोधित करेंगे।

विशाल निःशुल्क गुर्दा, मूत्र, प्रोस्टेट एवं पथरी रोग परामर्श स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ

जयपुर. शाबाश इंडिया। इंडस जयपुर हॉस्पिटल मानसरोवर में विशाल निःशुल्क गुर्दी, मूत्र प्रोस्टेट एवं पथरी रोग परामर्श स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ किया गया। इंडस जयपुर हॉस्पिटल के सी.ओ.ओ डॉ रितु चौधरी, डॉ नरेश गर्ग व डॉ अभिषेक कदम एवं अन्य सभी डॉक्टरों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया गया। इंडस जयपुर हॉस्पिटल के सी.ओ.ओ डॉ रितु चौधरी ने पुष्पगुच्छ देकर अतिथियों का स्वागत किया। इस विशाल निःशुल्क गुर्दा, मूत्र , प्रोस्टेट एवं पथरी परामर्श शिविर में डॉ नरेश गर्ग (मूत्र रोग विशेषज्ञ), डॉ अभिषेक कदम (गुर्दा रोग विशेषज्ञ) अपनी निःशुल्क परामर्श सेवाएं देंगे एवं ब्लड शुगर ,ब्लड प्रेशर, यूरोफ्लोमेट्री की निःशुल्क जाँचे की जायेगी साथ ही प्रोस्टेट एवं स्टोन हेल्थ पैकेज रुपए 499/-में, नेफ्रोलरोजी हैल्थ पैकेज रुपए -799/-में व सी.के.डी हैल्थ पैकेज रुपए -299/-में शिविर दिनांक 06 फरवरी 2023 से 74 फरवरी 2023 तक एक सप्ताह के लिए शुरू किया गया है। डॉ. रितु चौधरी (सी.ओ.ओ) सत्य नारायण शर्मा (मैनेजर),विक्रम सिंह (ब्रांडिंग मैनेजर), नरेंद्र शर्मा (मैनेजर),राजेंद्र चौधरी, पंकज शर्मा, सुहेल हसन ,अरशद मिर्जा,गौरव शर्मा, गौरवः कुमावत,प्रतीक जोशी, आशीष यादव, दीक्षा शर्मा व हॉस्पिटल टीम उपस्थित रही।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

महावीर पब्लिक स्कूल में 'ध्यान-सत्र' पर रिपोर्ट प्रस्तुत

जयपुर. कासं। महावीर पब्लिक स्कूल में ''**आजादी का अमृत महोत्सव**'' के तत्वावधान में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन द्वारा ध्यान और मानसिक स्वास्थ्य पर 1 घंटे का परिचयात्मक सत्र आयोजित किया गया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने फाउंडेशन के ध्यान विशेषज्ञ नितिन पाल सिंह का स्वागत किया। कार्यक्रम में नितिन पाल सिंह ने 'हर घर ध्यान' की अवधारणा पेश की। इस सत्र में विद्यालय के करीब 300 से अधिक छात्रों, प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन और अनेक शिक्षकों ने भाग लिया। यह सत्र न केवल छात्रों की एकाग्रता और चिंता के मुद्दों के संबंध में ज्ञानवर्धक और लाभकारी था अपितु योग से संबंधित खेल भी इसके प्रमुख आकर्षण थे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की समन्वयका श्रीमती वंदना जैन ने नितिन पाल को धन्यवाद दिया।